**2023**

# HINDI

## ( Modern Indian Language )

## ( Compulsory Course )

Paper : HIN–CC–4016

( हिन्दी कथा साहित्य )

*Full Marks* : 80

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था?

(ख) उदयभानुलाल कौन थे?

(ग) निर्मला की छोटी बहन का नाम क्या है?

(घ) 'निर्मला' उपन्यास का प्रकाशन किस ईस्वी में हुआ था?

(ङ) अज्ञेय द्वारा रचित पठित कहानी का नाम लिखिए।

(च) 'ठेस' कहानी के रचयिता का नाम लिखिए।

(छ) 'दुलाईवाली' कहानी का प्रकाशन वर्ष का उल्लेख कीजिए।

(ज) कजाकी कौन है?

(झ) कौशिक जी का संपूर्ण नाम लिखिए।

(ञ) रामेश्वरी कौन थी?

**2.** निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'निर्मला' के अलावा प्रेमचंद द्वारा रचित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ख) मंसाराम की कोई दो चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(ग) "खराब न होती तो घर से भगाई क्यों जाती?" प्रस्तुत वाक्य किसने किससे किस प्रसंग में कहा था?

(घ) 'दुलाईवाली' कहानी की कोई दो भाषिक विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'जयदोल' कहानी की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'निर्मला' उपन्यास की लोकप्रियता के कारण बताइए।

(ग) 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर बाबू तोताराम का चरित्र-चित्रण कीजिए।





(घ) 'कजाकी' कहानी का संदेश लिखिए।

(ङ) 'आत्मा की आवाज' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(च) रामेश्वरी के हृदय-परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

**4.** निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) "'निर्मला' एक समस्या प्रधान सामाजिक उपन्यास है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

**अथवा**

नामकरण की सार्थकता के आधार पर 'निर्मला' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ख) कहानी-कला के आधार पर 'जयदोल' अथवा 'ठेस' की समीक्षा कीजिए।

(ग) "'कजाकी' बाल मनोविज्ञान पर आधारित कहानी है।" तर्क सहित आलोचना कीजिए।

**अथवा**

'ताई' कहानी का तात्विक विश्लेषण कीजिए।

(घ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"ममत्व से प्रेम उत्पन्न होता है और प्रेम से ममत्व। इन दोनों का साथ चोली-दामन का सा है। ये कभी पृथक् नहीं किये जा सकते।"

**अथवा**

"आखिर हुआ क्या, जिस पर भागा जाता है? घर से उसका जी कभी उचाट न होता था। उसे तो अपने घर के सिवा और कहीं अच्छा ही न लगता था। तुम्हीं ने उसे कुछ कहा होगा, या उसकी कुछ शिकायत की होगी। क्यों अपने लिए काँटे बो रही हो? रानी, घर को मिट्टी में मिलाकर चैन से न बैठने पाओगी।"

★★★